फिसलन युक्त ढलान

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-I (भारतीय भूगोल) से संबंधित है।

द हिन्दू

19 अक्टूबर, 2021

भारी मानसून का सामना करने के लिए, राज्यों को नदियों और पहाड़ों की अखंडता को सुनिश्चित करना चाहिए।

अक्टूबर में उत्तरी कर्नाटक, तेलंगाना, ओडिशा, बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून विदाई के समय भी, यह कई जिलों में विनाश का निशान छोड़ रहा है। हाल ही में दक्षिण भारतीय राज्य केरल में जानमाल का बड़ा नुकसान हुआ है।

हाल ही में सबसे ज्यादा बारिश पश्चिमी मध्य प्रदेश, ओडिशा, पूर्वी राजस्थान और उत्तराखंड में हुई है। सोमवार को मध्य प्रदेश के श्योपुर में 31 सेंटीमीटर तक बारिश हुई है, वहीं केरल और गंगा के आस पास पश्चिम बंगाल में बहुत भारी बारिश हुई है। भारतीय मानसून एक अमूल्य संसाधन है जो करोड़ों लोगों का भरण-पोषण करता है, लेकिन इसके पैटर्न और तीव्रता में भिन्नता एक बढ़ती हुई चुनौती है।

केरल, जहाँ का एक बड़ा हिस्सा पश्चिमी घाट में स्थित है , उन क्षेत्रों को इन परिवर्तनों से जूझना पड़ रहा है, जिसमें गंभीर सत्रों के बीच लगभग कोई राहत नहीं है। बार-बार होने वाली इस अतिवृष्टि से पता चलता है कि राज्य में वर्षा में विसंगतियाँ काफी अधिक हैं। 2018 में कई पर्यटनोन्मुख शहरों में आई बाढ़ और भयावह भूस्खलन द्वारा जो लोग मारे गए, उसके लिए एक व्यापक अनुकूलन योजना की आवश्यकता है।

राज्य में इस साल की मूसलाधार बारिश, जिसने अब तक कम से कम 35 लोगों की जान ले ली है, खतरे का कारण बन रही है क्योंकि पहाड़ी इलाकों में बड़े जलाशय तेजी से भरने लगे हैं, जबकि पूर्वोत्तर मानसून अभी आना बाकी है। सरकार ने केरल के इडुक्की सहित कई बांधों के लिए अलर्ट जारी करके प्रतिक्रिया दी है, और तीन साल पहले देखी गई बाढ़ की पुनरावृत्ति से बचने के लिए पानी छोड़ने की योजना बनाई है। गौरतलब है कि आईएमडी ने केरल में 20 अक्टूबर से अधिक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

अधिकांश देश में रहने की स्थिति को लेकर व्याप्त अनिश्चितता से वार्षिक स्तर पर जो मानसून आता है वह लाखों लोगों के लिए लगातार खतरा बना रहता है। ऐसे में सरकारों को जीवन और संपत्ति के जोखिम को कम करने के लिए और अधिक प्रयास करना चाहिए। नदियों को स्वच्छ करना और उन्हें अतिक्रमण से मुक्त रखना, खनन, वनों की कटाई और असंगत निर्माण को समाप्त करके पहाड़ी ढलानों की अखंडता की रक्षा करना प्रमुख है। पश्चिमी घाटों के संदर्भ में माधव गाडगिल समिति की रिपोर्ट में चेतावनियों को प्रतिध्वनित करते हुए, लगातार हो रही वर्षा से तबाही के साथ केरल के लिए पारिस्थितिक अनिवार्यता स्पष्ट होनी चाहिए।

भूमि एक अत्यंत दुर्लभ संसाधन हो सकती है, लेकिन पर्वतीय वनों में होने वाली आर्थिक गतिविधि का विस्तार करने से निश्चित रूप से अपूरणीय नुकसान होता है। 2017 में शोधकर्ताओं के एक अनुमान के द्वारा केरल में 7,157 हेक्टेयर में उत्खनन क्षेत्र था, इसका अधिकांश हिस्सा केरल में स्थित मध्य जिलों में था जो बाद में भूस्खलन की चपेट में आ गए थे।

सरकारों को यह स्पष्ट होना चाहिए कि असहाय समुदायों की कीमत पर अल्पकालिक लाभ की खोज की अनुमति देना अनुचित है। एक बेहतर विकास नीति में प्रकृति को एक संपत्ति के रूप में माना जाना चाहिए, न कि एक बाधा के रूप में। सटीक रूप से आंके गए खतरे वाले क्षेत्रों को सभी संदर्भों को सूचित करना चाहिए। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में चरम मौसम अवस्था से, ग्लेशियरों के टूटने और बादल फटने से भी ऐसा ही खतरा है। कई राज्यों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और चरम मौसम का सामना करना पड़ रहा है। अतः इसके विरुद्ध प्रतिक्रिया प्राकृतिक सुरक्षा को मजबूत करने के रूप में होनी चाहिए।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. पश्चिमी घाट के संरक्षण से जुड़ी समिति को किसकी अध्यक्षता में गठित किया गया था?

(a) माधव गाडगिल

(b) के. कस्तूरीरंगन

(c) जयराम रमेश

(d) a एवं b दोनों

Expected Questions (Prelims Exams)

Q. Under whose chairmanship the committee related to the conservation of Western Ghats was constituted?

(a) Madhav Gadgil

(b) K. Kasturirangan

(c) Jairam Ramesh

(d) Both a and b

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. हाल ही में सितंबर और अक्टूबर माह में पूरे देश मे हुई बारिश ने कई क्षेत्रों विशेषकर केरल में बाढ़ की समस्या पैदा कर दी। आपके अनुसार केरल में आई बाढ़ को लेकर क्या कारण उत्तरदायी रहे हैं? सरकारों को इससे बचने के लिए क्या नवीन प्रयास करने की आवश्यकता है? (250 शब्द)

Q. 'The recent rains across the country in the months of September and October have created a flood problem in many areas especially in Kerala.' What are the reasons for this flood in Kerala according to you? What innovative efforts are being made by the governments to avoid it? need to? (250 Words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।